MEDIA REFLECTION ON BHAI JI DIVAS …..

देश भर के युवाओं ने मनाया भाई जी दिवस

» भाई जी समाधि स्थल पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक की मिट्टी समाहित » 28 राज्य के युवा ताकत जौरा में मनाया भाई जी दिवस

एक्सल समाचार

जौरा मुरैना (एड.दिनेश सिंह सिकरवार)। विख्यात गांधीवादी स्व. डा. एस एन सुब्बराव जिनको प्यार से भाई जी कहते हैं, उनकी समाधि स्थल पर आज उनके जन्म दिवस के अवसर पर भाई जी दिवस के रूप में मनाते हुए 28 राज्यों से आए हुए युवा भाई बहनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए ।चंबल घाटी के जौरा स्थित महात्मा गांधी सेवा आश्रम में इस अवसर पर भाई जी स्मृति समारोह का आयोजन किया गया, देशभर के युवाओं के द्वारा अपने अपने जगह से लाए हुए मिट्टी को समाधि स्थल पर समर्पित किया गया, इसके पश्चात देश भर से लाए हुए पौधों का भी वृक्षारोपण किया गया। तत्पश्चात भाई जी समृति समारोह में 7 फरवरी जन्म दिवस के अवसर पर समारोह आयोजित हुया जिसमें आज का दिन भाई जी

दिवस के रुप में याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्वसेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गांधीवादी श्री चंदनपाल जी ने की इस अवसर पर महातमा गांधी सेवा आश्रम के अध्यक्ष एवं सर्व समाज के संयोजक श्री राजगोंपाल पी. व्ही., राष्ट्रीय युवा योजना के न्यासी के. सुकुमारन जी, मधुसूदन जी, महेन्द्र नागर जी सर्व सेवा संघ के अशोक सरण जी, प्रभारी विनय गुप्ताजी, प्यारी बहिन, इति बहिन आदि उपस्थित थे। महात्मा गांधी सेवा आश्रम के सचिव डा. रनसिंह परमार जी ने भाई जी को नमन करते हुये देष भर से जो लोग भाई जी के दिवस पर गांधी आश्रम जौरा में पधारें हैं उनको भी नमन है। उन्होने सभी से अनुरोध किया कि जो लोग यहां आये हैं वह आज यहां से भाई जी के आदर्शों और उनके विचारों को देश भर में लेकर जायेगें और कार्य करेगें। भाई जी का व्यक्तित्व बहुआयामी रहा, भाई जी ने अपना जीवन लोगों के बीच में ही जिया, उन्होने अपने लिये कोई घर नही बनवाया, दो थैले ही लेकर हमेशा चलते रहे,किसी के भी घर पर रुक जाते थे, यही कारण था कि समाज का हर व्यक्ति उन्हे अपने नजदीक मानता रहा है। इसी अवसर पर पर गांधीवादी पी.व्ही. राजगोपाल जी ने अपने संदेश में कहा कि आज हमस ब भाई जी के शांति और सेवा कार्यों से प्रेरणा लेकर समाज में दूरियों को पाटने का काम कर सकते हैं। हमें विष्वास हे कि सभी अच्छे लोग हैं, निश्चित ही दूरियों को खत्म कर देष में शांति , सदभाव और भाईचारे का महोल निर्मित करते रहेगें ताकि भाई जी के सपनों को साकार कर सके। उन्होने कहा कि भाई जी के विषेश शांति प्रयासों के फलस्वरुप बागियों के आत्म सर्मपण के बाद गांधी आश्रम से दो संघठनों का उदय हुआ।

देश भर के युवाओं ने चंबल घाटी में मनाया भाई जी दिवस, कोने कोने से आई मिट्टी से बनी भाईजी की समाधि

हेमलता म्हस्के

मध्य प्रदेश के जौरा मुरैना में विख्यात गांधीवादी स्व. डा. एस एन सुब्बराव जिनको प्यार से भाई जी कहते हैं, उनकी समाधि स्थल पर आज उनके जन्म दिवस के अवसर पर भाई जी दिवस के रूप में मनाते हुए 28 राज्यों से आए हुए युवा भाई बहनों ने श्रद्धा सुमन पुष्प अर्पित किया, चंबल घाटी के जौरा स्थित महात्मा गांधी सेवा आश्रम में इस अवसर पर भाई जी स्मृति समारोह का आयोजन किया गया, देशभर के युवाओं के द्वारा अपने अपने जगह से लाए हुए मिट्टी को समाधि स्थल पर समर्पित किया गया।, इसके बाद देश भर से लाए हुए पौधों का भी वृक्षारोपण किया गया। भाई जी समृति समारोह 7 फरवरी को उनके 94 वें जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित हुया, जिसमें आज का दिन भविष्य में भी भाई जी दिवस के रुप में याद किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्वसेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गांधीवादी चंदनपाल जी ने की। इस अवसर पर महात्मा गांधी सेवा आश्रम के अध्यक्ष एवं सर्वोदय समाज के संयोजक राजगोपाल पी. व्ही., राष्ट्रीय युवा योजना के न्यासी के. सुकुमारन जी, मधुसूदन जी, महेन्द्र नागर जी, सर्व सेवा संघ के अशोक शरण जी, प्रभारी विनय गुप्ताजी, प्यारी बहिन, इति बहिन आदि उपस्थित थे। महात्मा गांधी सेवा आश्रम के सचिव डा. रनसिंह परमार जी ने भाई जी को नमन करते हुये कहा कि देश भर से जो लोग भाई जी के जन्म दिवस पर गांधी आश्रम जौरा में पधारें हैं उनको भी नमन है। उन्होने सभी से अनुरोध किया कि जो लोग यहां आये हैं वे आज यहां से भाई जी के आदर्शों और उनके विचारों को देश भर में लेकर जायेगें और कार्य को अंजाम तक पहुंचाएंगे। भाई जी का व्यक्तित्व बहुआयामी रहा, भाई जी ने अपना जीवन लोगों के बीच में ही जिया, उन्होने अपने लिये कोई घर नही बनवाया, दो थैले ही लेकर हमेशा चलते रहे,किसी के भी घर पर रुक जाते थे, यही कारण था कि समाज का हर व्यक्ति उन्हे अपने नजदीक मानता रहा है। इसी अवसर पर पर गांधीवादी पी. व्ही. राजगोपाल जी ने अपने संदेश में कहा कि आज हम सब भाई जी के शांति और सेवा कार्यों से प्रेरणा लेकर समाज में दूरियों को पाटने का काम कर सकते हैं। हमें विश्वास है कि सभी अच्छे लोग हैं, निश्चित ही दूरियों को खत्म कर देश में शांति, सदभाव और भाईचारे का माहौल निर्मित करते रहेगें ताकि भाई जी के सपनों को साकार कर सके। उन्होने कहा कि भाई जी के विशेष शांति प्रयासों के फलस्वरुप बागियों के आत्म सर्मपण के बाद गांधी आश्रम से दो संघठनों का उदय हुआ। राष्ट्रीय युवा योजना और एकता परिषद। इन दोनो का काम शांति और राष्ट्र निर्माण के लिये हुआ है। उन्होने कहा कि आगामी अप्रेल माह में बागी समर्पण की 50 वी वर्षगांठ पर 14 से 16 अप्रेल तक 3 दिवसीय सर्वोदय समाज समागम का आयोजन महात्मा गांधी सेवा आश्रम में होगा। अहिंसा का संदेश देने के लिये जौरा म.प्र., बटेश्वर उत्तर प्रदेश और तालाब शाही राजस्थान बागी समर्पण स्थलों से 3 यात्रायें शांति और अहिंसा का संदेश देने के लिये चलाई जायेगी। उन्होने कहा कि आज देश के लोगों को प्रेरणा देने के लिये पीस टूरिज्म की तैयारी करना जरुरी है। और तीसरा अभियान गांधी और गरीब, अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने के लिये चलाया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री चंदनपाल जी ने भाई जी के प्रेरणास्पद कार्या और भाई जी के व्यक्तित्व पर सभी कार्यर्ताओं को संकल्प लेकर कार्य करने को कहा और जय जगत के विचार को देश भर में ले जाने का आव्हान किया। इसके अलावा मंचासीन अतिथियों ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया । भाई जी दिवस पर एच.एल. हाई स्कूल जौरा एवं माँ शरदा स्कूल जौरा के बच्चों ने रैली कर भाई जी को श्रद्धांजली देते हुये स्मरण किया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता गांधी भवन भोपाल के सचिव श्री दयाराम नामदेव जी ने की।

कार्यक्रम का संचालन विनय भाई ने किया। 6 से 8 फरवरी 2022 देशभर के 28 राज्यों में आंध्र प्रदेश, आसाम, अंडमान निकोबार, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, उड़ीसा, पंजाब, पुडुचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल आदि के 500 से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित हुए। कार्यक्रम में एकता परिशद के राष्ट्रीय महासचिव रमेष षर्मा जी, अनीष भाई, निर्भय सिंह, संतोष सिंह,राकेष दिक्षित, उदयभान सिंह डोगर षर्मा, षीतल, प्रफुल्ल भाई, रवीन्द्र सकसैना, दिनेष सिकरवार, दीपक अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

देशभर से जुटे गांधीवादियों ने की 'भारत की संतान' पुरस्कार की घोषणा

भाईजी के समाधि स्थल को प्रेरणा स्थल के रूप में करेंगे विकसित

जौरा. महात्मा गांधी के आदर्शों के सहचर डॉ. एसएन सुब्बाराव का समूचा जीवन चंबल अंचल के लिये समर्पित रहा। इसलिए उनकी स्मृति में राष्ट्रीय स्तर पर 'भारत की संतान' पुरस्कार दिया जाएगा। भाईजी का समूचा जीवन देश और दुनियां में गांधीजी के विचारों को प्रसारित करने के लिए समर्पित रहा है, इसलिए यह पुरस्कार महत्वपूर्ण है।

तीन दिवसीय भाईजी दिवस (जन्मोत्सव) के उपलक्ष में गांधी सेवाश्रम जौरा में आयोजित कार्यकमों के अंतिम दिन एकता परिषद के संरक्षक पीवी राजगोपाल ने यह बात कही। 94वें जन्मदिवस पर देश भर के 28 प्रांतों से अनुयायियों के बीच राजगोपाल ने कहा कि भाईजी के निधन के बाद उनके अधूरे कामों को आगे बढ़ाने का काम हम सबको मिलकर पूरा करना है। राष्ट्रीय युवा योजना, एकता परिषद एवं गांधीवादी कार्यकर्ताओं ने भाईजी के समाधि स्थल को प्रेरणा स्थल के रूप में विकसित करने का भी संकल्प लिया।

सर्व सेवा संघ के अध्यक्ष चंदनपाल, शेख हुसैन, अब्दुल भाई के सान्निध्य में आयोजित कार्यकम में शांति-अहिंसा आधारित समाज की रचना करने के लिये आगे आने पर जोर दिया गया। बागीं समर्पण के गवाह बने महात्मा गांधी सेवाश्रम जौरा में 14 से 16 अप्रैल तक समर्पण की स्वर्ण जयंती अवसर पर सर्वोदय सम्मेलन के आयोजन को विचार-विमर्श कर अंतिम रूप दिया गया।

कार्यक्रम में मौजूद देश भर से आए प्रतिनिधि।

पांच कार्यक्रमों का होगा देश भर में विस्तार

भाईजी के पांच कार्यक्रमों का देश भर में विस्तार करने के लिए युवाओं को जोड़ने का काम तेज किया जाएगा। इनमें श्रम संस्कार, बौद्धिक कार्यक्रम, सर्वधर्म प्रार्थना, भारत की संतान, सांस्कृतिक कार्यक्रम,ध्वजारोहण शामिल हैं। भाईजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सम्मान व्यक्त किया गया। दिल्ली आएं संजय सिंह, हरदीप सिंह पंजाब, के यादव राजू तेलंगाना, चुन्नीलाल झारखंड, सम्मुख नाथन अंडमान-निकोबार ने भी संबोधित किया।

भाईजी की स्मृति में 'भारत की संतान' पुरस्कार घोषित

गांधीवादी चिंतक डॉ. एसएन सुब्बाराव की स्मृति में मंगलवार को उनके समर्थकों ने 'भारत की संतान' पुरस्कार की घोषणा की। आश्रम परिसर में समाधि स्थल, भाईजी की प्रतिमा स्थापना एवं संग्रहालय को विकसित किए जाने की योजना पर भी सहमति बन गई।

एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रनसिंह परमार ने संकल्प दिलाया कि हम राष्ट्रीय युवा योजना परिवार के सभी लोग एकजुटता से सद्भावना पूर्वक काम करेंगे। कार्यक्रम में जबलपुर से आई कस्तूरी ने साथियों के साथ गीत- सत्य अहिंसा की जोत जलत रही रे, जल-जंगल हवा और अंबर, हक हों सब के बराबर, गीत गाया।

28 राज्यों से भाईजी दिवस पर जुटे युवा, हर राज्य की मिट्टी समाधि पर समर्पित

पत्रिका सोशल कनेक्ट

शांतिदूत, गांधीवादी डॉ. एसएन सुब्बाराव को गांधी सेवाश्रम जौरा में दी गई श्रद्धांजलि

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुरैना/जौरा. सामूहिक दस्यु समर्पण के बाद चंबल को कर्मस्थली बनाकर शांति स्थापित करने वाले गांधी चिंतक और विचारक डॉ. एसएन सुब्बाराव (भाईजी) को देश भर के 28 राज्यों से आए लोगों ने भाईजी दिवस (जन्मदिन) मनाते हुए श्रद्धांजलि दी। अलग-अलग राज्यों से आए युवाओं ने अपने राज्यों से लाई मिट्टी भी भाईजी की समाधि स्थल महात्मा गांधी सेवाश्रम जौरा में समर्पित की। कश्मीर से कन्याकुमारी तक से आए लोगों ने अनूठे अंदाज में श्रद्धांजलि दी।

भाईजी स्मृति समारोह के दौरान देश भर से लाए हुए पौधों को भी आश्रम परिसर में रोपा गया। भाईजी स्मृति दिवस समारोह की अध्यक्षता सर्वसेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गांधीवादी चंदनपाल ने की। इस अवसर पर महातमा गांधी सेवा आश्रम के अध्यक्ष एवं सर्व समाज के संयोजक राजगोपाल पीवी, राष्ट्रीय युवा योजना के न्यासी के. सुकुमारन, मधुसूदन, महेंद्र नागर, सर्व सेवा संघ के अशोकसरण, प्रभारी विनय गुप्ता, प्यारी बहन, इति बहन मुख रूप से उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी सेवा आश्रम के सचिव डा. रनसिंह परमार ने भाईजी को याद करते हुए कहा कि जो लोग यहां जुटे हैं वे सब भाईजी के आदर्शों और विचारों को देश भर में ले जाएंगे और उनके आधार पर कार्य करेंगे। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी भाईजी ने अपना जीवन लोगों के बीच में ही जिया, उन्होंने अपने लिए कोई घर नहीं बनवाया, दो थैले ही लेकर हमेशा चलते रहे, किसी के भी घर पर रुक जाते थे, यही कारण था कि समाज का हर व्यक्ति उन्हें अपने नजदीक मानता रहा है। गांधीवादी पीवी राजगोपाल ने कहा कि आज हम सब भाईजी के शांति और सेवा कार्यों से प्रेरणा लेकर समाज में दूरियों को पाटने का काम कर सकते हैं। दूरियों को खत्म कर देश में शांति, सदभाव और भाईचारे का माहौल निर्मित करते रहेंगे, अध्यक्षता कर रहे चंदनपाल ने भाईजी के प्रेरणाप्रद कार्यों और व्यक्तित्व पर सभी कार्यर्ताओं को संकल्प लेकर कार्य करने और जय जगत के विचार को देशभर में ले जाने का आह्वान किया। एकता परिषद के राष्ट्रीय महासचिव रमेश शर्मा, अनीश भाई, निर्भय सिंह, संतोष सिंह, राकेश दीक्षित, उदयभान सिंह, डोगर शर्मा, शीतल, प्रफुल्ल भाई , रवींद्र सक्सेना, दिनेश सिकरवार, दीपक अग्रवाल उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते एकता परिषद के संयोजक।

28 राज्यों से आए युवा श्रद्धांजलि सभा में मौजूद।

बागियों के समर्पण के बाद दो संगठनों का उदय

राजगोपाल ने कहा कि भाईजी के विशेष शांति प्रयासों के फलस्वरुप बागियों के आत्म सर्मपण के बाद गांधी आश्रम से दो संगठनों का उदय हुआ। राष्ट्रीय युवा योजना और एकता परिषद, यहीं से उदित होकर आगे बढ़े। दोनों का काम शांति और राष्ट्र निर्माण है।

बागी समर्पण वर्षगांठ समारोह 14 अप्रैल से

राजगोपाल ने देश भर से आए लोगों के बीच बताया कि विशाल बागी समर्पण की 50वीं वर्षगांठ पर 14 से 16 अप्रैल 2022 तक महात्मा गांधी सेवाश्रम जौरा में समारोह आयोजित किया जाएगा। इसे सर्वोदयी समागम का नाम दिया जाएगा।

तीन समर्पण स्थलों से निकलेंगी यात्राएं

हिंसा से अहिंसा का संदेश देने जौरा, मप्र, बटेश्वर उत्तर प्रदेश और तालाबशाही राजस्थान बागी समर्पण स्थलों से 3 यात्राएं शांति और अहिंसा का संदेश देने के लिए निकाली जाएंगी। इनका उद्देश्य 'पीस टूरिज्म' रहेगा।

बच्चों ने निकाली रैली, दी श्रद्धांजलि

भाईजी दिवस पर एचएल हाइस्कूल एवं मां शारदा स्कूल के बच्चों ने रैली निकालकर श्रद्धांजलि दी। दूसरे सत्र की अध्यक्षता गांधी भवन भोपाल के सचिव दयाराम नामदेव ने की। संचालन विनय भाई ने किया।

देश भर से यह लोग हुए कार्यक्रम में शामिल

तीन दिन के भाईजी दिवस समारोह में आंध्र प्रदेश, असम, अंडमान निकोबार, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, उड़ीसा, पंजाब, पुडुचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल के 500 से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

तीन लोगों के खिलाफ

भाईजी के शांति व सेवा कार्यों से प्रेरणा लेकर समाज में दूरियों को पाटने की पहल करें युवा

डॉ.एसएन सुब्बाराव की जयंती पर 28 राज्यों के युवाओं ने दी आदरांजलि

भास्कर संवाददाता | जौरा

डॉ. सुब्बाराव के जयंती कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न राज्यों से आए युवा।

महात्मा गांधी सेवा आश्रम का कर्मभूमि पर मौजूद 28 राज्यों के युवा महान गांधीवादी डॉ. एसएन सुब्बाराव के शांति व सेवा कार्यों से प्रेरणा लेकर समाज में दूरियों को पाटने का काम कर सकते हैं। हमें विश्वास है कि सभी अच्छे लोग हैं, निश्चित ही दूरियों को खत्म कर देश में शांति, सद्भाव और भाईचारे का माहौल निर्मित कर भाईजी के सपनों को साकार करेंगे। यह बात एकता परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक पीवी राजगोपालन ने कही।

राजगोपालन, सोमवार को महात्मा गांधी सेवा आश्रम में आयोजित डा. एसएन सुब्बाराव के जयंती कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाई जी के विशेष शांति प्रयासों के फलस्वरुप बागियों के आत्म सर्मपण के बाद गांधी आश्रम से दो संगठनों का उदय हुआ। राष्ट्रीय युवा योजना और एकता परिषद। इन दोनों का काम शांति और राष्ट्र निर्माण के लिए हुआ है। उन्होंने कहा कि बागी समर्पण की 50वीं वर्षगांठ पर 14 से 16 अप्रैल तक 3 दिवसीय सर्वोदयी समागम का आयोजन महात्मा गांधी सेवा आश्रम में होगा। हिंसा से अहिंसा का संदेश देने के लिये जौरा, बटेश्वर व तालाबशाही के बागी समर्पण स्थलों से शांति व अहिंसा का संदेश देने 3 यात्राएं चलाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि तीसरा अभियान गांधी और गरीब, अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने के लिए चलाया जाएगा।

महात्मा गांधी सेवा आश्रम के सचिव डा. रनसिंह परमार ने कहा कि भाईजी की जयंती में शामिल होने आए 28 राज्यों के युवा सुब्बाराव के विचारों को देशभर में लेकर जाएंगें और कार्य करेंगें। भाई जी का व्यक्तित्व बहुआयामी रहा, भाई जी ने अपना जीवन लोगों के बीच में ही जिया, उन्होंने अपने लिए कोई घर नहीं बनवाया, दो थैले ही लेकर हमेशा चलते रहे,किसी के भी घर पर रुक जाते थे। कार्यक्रम में सर्वसेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गांधीवादी चंदनपाल,राष्ट्रीय युवा योजना के न्यासी के सुकुमारन, मधुसूदन, महेन्द्र नागर सर्व सेवा संघ के अशोकसरण, उदयभान परिहार, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, विनय गुप्ता, प्यारी बहिन, इति बहिन आदि उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण

भाई जी के समाधि स्थल को प्रेरणा स्थल के रूप में करेंगे विकसित : राजू भाई

देशभर से आये गाँधीवादियों ने महात्मा गाँधी सेवा आश्रम में लिया संकल्प

जौरा

महात्मा गांधी के आदर्षों के सहचर डा.एस.एन.सुब्बाराव का समूचा जीवन चंबल अंचल के लिये समर्पित रहा। भाई जी का समूचा जीवन देष और दुनियां में गांधी जी के विचारों को दुनियां में प्रसारित करने के लिये समर्पित रहा। उपरोक्त उद्गार एकता परिशद के संरक्षक एवं भाई जी के अनुयायी पी.व्ही.राजगोपाल ने व्यक्त किये। वे महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा में गांधीवादी संत विचारक स्व.डा.एस.एन.सुब्बाराव का 94 वां जन्मदिवस मनाने 28 प्रान्तों से आये भाई जी के अनुयायियों को संबोधित कर रहे थे। तीन दिन तक अनवरत चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में भाई जी के निधन के बाद उनके अधूरे कामों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर राश्ट्रीय युवा योजना.,एकता परिशद एवं गांधीवादी कार्यकर्ताओं ने भाई जी के समाधि स्थल को प्रेरणा स्थल के रूप में विकसित किये जाने का संकल्प लिया। सर्व सेवा संघ के अध्यक्ष चंदनपाल जी,षेख हुसैन भाई सर्व सेवा संघ,अब्दुल भाई के सानिध्य में आयोजित कार्यकम में राजगोपाल पी.व्ही.ने अपने संबोधन में कहा कि हमें षांति एवं अहिंसा पर आधारित समाज की रचना करने के लिये आगे आना होगा। यह जिम्मेवारी देष के युवाओं को निबाहनी होगी। इसके लिये हम सभी को मिल जुलकर प्रयास करना होगें। इसके लिये हमें समाज में नेतृत्व क्षमता का विकास की कार्य योजना बनाकर काम करने होगा। ताकि आम आदमी का संघर्श कम हो सके। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें नये भारत के निर्माण का संकल्प पूरा करने के लिये भाई जी एवं महात्मा गांधी के आदर्षों का अनुषरण करना होगा। आगामी 14 अप्रेल से 16 अप्रेल तक बागी समर्पण की स्वर्ण जयंती बर्श के अवसर पर महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा में आयोजित सर्वोदय सम्मेलन के आयोजन के संबंध में विचार विमर्श कर अंतिम रूप् दिया गया। इस दौरान एकता परिषद के राष्ट्रिय अध्यक्ष डा.रनसिंह परमार ने उपस्थित प्रतिनिधियों को संकल्प दिलायाकार्यक्रम के दौरान आदरणीय भाई जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें आदरांजलि दी गई। कार्यक्रम को दिल्ली से आये संजय सिंह,हरदीप सिंह पंजाब ,के यादव राजू तिलंगाना,चुन्नीलाल झारखण्ड,सम्मुख नाथन अण्डमान निकोबार सहित अन्य राज्यों के प्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जबलपुर से आई कस्तूरी बहन ने अन्य साथियों के साथ गीत सत्य अहिंसा की जोत जलत रही रे,जल जंगल हवा और अंबर तक हों सब के बराबर गीत गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।भाई जी की स्मृति में पुरूष्कार घोशित किया गया भाई जी की स्मृति में महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा की ओर से भारत की संतान पुरूष्कार दिया जायेगा वहीं आश्रम परिशर में समाधि स्थल एवं भाई जी की प्रतिमा स्थापना एवं संग्रहालय को विकसित किये जाने की योजना पर भी सहमति बनीं।

सम्पूर्ण मध्यप्रदेश, राजस्थान, उ.प्र. में तेजी से बढ़ता सांध्य दैनिक

मध्य जनदर्शन

RNI.NO.MPHIN/2003/13131

"प्रकृति अपरिमित ज्ञान का भंडार है, पत्ते-पत्ते में शिक्षापूर्ण पाठ है, परंतु उससे लाभ उठाने के लिए अनुभव आवश्यक है।
– हरिऔध

मौसम

	अधि.	न्यून.
ग्वालियर	32.8	15.11
भोपाल	28.7	18.12
इंदौर	26.5	21.0
जबलपुर	27.7	12.0

पेज नं. 2 पर

पेज नं. 8 पर

विज्ञापन

पेज नं. 7 पर

वर्ष : 18, अंक 312 ग्वालियर, मंगलवार 8 फरवरी 2022 मूल्य 1 रुपया, पृष्ठ 8

देश भर के युवाओं ने मनाया भाई जी दिवस

भाई जी समाधि स्थल पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक की मिट्टी समाहित

28 राज्य के युवा ताकत जौरा में मनाया भाई जी दिवस

जौरा, (का.सं.)। विख्यात गांधीवादी स्व. डा. एस एन सुब्बराव जिनको प्यार से भाई जी कहते हैं, उनकी समाधि स्थल पर आज उनके जन्म दिवस के अवसर पर भाई जी दिवस के रूप में मनाते हुए 28 राज्यों से आए हुए युवा भाई बहनों ने श्रद्धा सुमन पुष्प अर्पित किया, चंबल घाटी के जौरा स्थित महात्मा गांधी सेवा आश्रम में इस अवसर पर भाई जी स्मृति समारोह का आयोजन किया गया, देशभर के युवाओं के द्वारा अपने अपने जगह से लाए हुए मिट्टी को समाधि स्थल पर समर्पित किया गया, इसके पश्चात देश भर से लाए हुए पौधों का भी वृक्षारोपण किया गया। तत्पष्चात भाई जी समृति समारोह में 7 फरवरी जन्म दिवस के अवसर पर समारोह आयोजित हुया जिसमें आज का दिन भाई जी दिवस के रुप में याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्वसेवा संघ के राश्ट्रीय अध्यक्ष गांधीवादी श्री चंदनपाल जी ने की इस अवसर पर महातमा गांधी सेवा आश्रम के अध्यक्ष एवं सर्व समाज के संयोजक श्री राजगोंपाल पी. व्ही., राश्ट्रीय युवा योजना के न्यासी के. सुकुमारन जी, मधुसूदन जी, महेन्द्र नागर जी सर्व सेवा संघ के अषोकसरण जी, प्रभारी विनय गुप्ताजी, प्यारी बहिन, इति बहिन आदि उपस्थित थे। महात्मा गांधी

सेवा आश्रम के सचिव डा. रनसिंह परमार जी ने भाई जी को नमन करते हुये देष भर से जो लोग भाई जी के दिवस पर गांधी आश्रम जौरा में पधारें हैं उनको भी नमन है। उन्होने सभी से अनुरोध किया कि जो लोग यहां आये हैं वह आज यहां से भाई जी के आदर्षों और उनके विचारों को देष भर में लेकर जायेगें और कार्य करेगें। भाई जी का व्यक्तित्व बहुआयामी रहा, भाई जी ने अपना जीवन लोगों के बीच में ही जिया, उन्होने अपने लिये कोई घर नही बनवाया, दो थैले ही लेकर हमेषा चलते रहे,किसी के भी घर पर रुक जाते थे, यही कारण था कि समाज का हर व्यक्ति उन्हे अपने नजदीक मानता रहा है। इसी अवसर पर पर गांधीवादी पी.व्ही. राजगोपाल जी ने अपने संदेष में कहा कि आज हमस ब भाई जी के षांति और सेवा कार्यों से प्रेरणा लेकर समाज में दूरियों को पाटने का काम कर सकते हैं। हमें विष्वास हे कि सभी अच्छे लोग हैं, निष्चित ही दूरियों को खत्म कर देष में षांति, सदभाव और भाईचारे का महोल निर्मित करते रहेगें ताकि भाई जी के सपनों को साकार कर सके। उन्होने कहा कि भाई जी के विषेश षांति प्रयासों के फलस्वरुप बागियों के आत्म सर्मपण के बाद गांधी आश्रम से दो संघठनों का उदय हुआ। राश्ट्रीय युवा योजना और एकता परिशद। इन दोनो का काम षांति और राश्ट्र निर्माण के लिये हुआ है। उन्होने कहा कि आगामी अप्रेल माह में बागी समर्पण की 50 वी वर्शगांठ पर 14 से 16 अप्रेल तक 3 दिवसीय सर्वोदई समागम का आयोजन महात्मा गांधी सेवा आश्रम में होगा। हिंसा से अहिंसा का संदेष देने के लिये जौरा म.प्र., बटेष्वर उत्तर प्रदेष और तालाबषाही राजस्थान बागी समर्पण स्थलों से 3 यात्रायें षांति और अहिंसा का संदेष देने के लिये चलाई जायेगी। उन्होने कहा कि आज देष के लोंगो को प्रेरणा देने के लिये पीस टूरिज्म की तैयारी करना जरुरी है। और तीसरा अभियान गांधी और गरीब, अंतिम व्यक्ति को संषक्त बनाने के लिये चलाया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री चंदनपाल जी ने भाई जी के प्रेरणास्पद कार्यों और भाई जी के व्यक्तित्व पर सभी कार्यताओं को संकल्प लेकर कार्य करने को कहा और जय जगत के विचार को देषभर में ले जाने का आव्हान किया। इसके अलावा मंचासीन अतिथियों ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया । भाई जी दिवस पर एच.एल. हाई स्कूल जौरा एवं माँ षारदा स्कूल जौरा के बच्चों ने रैली कर भाई जी को श्रदांजली देते हुये स्मरण किया। दूसरे सत्र का अध्यक्षता गांधी भवन भोपाल के सचिव श्री दयाराम नामदेव जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन विनय भाई ने किया।6 से 8 फरवरी 2022 देशभर के 28 राज्यों में आंध्र प्रदेश, आसाम, अंडमान निकोबार, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, उड़ीसा, पंजाब, पुडुचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल आदि के 500 से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित हुए। कार्यक्रम में एकता परिषद के राष्ट्रीय महासचिव रमेश शर्मा, भाजपा के युवा नेता देवेन्द्र सिंह तोमर रामू, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सोनू परमार, सूरज सिंह रजौधा, अनिल गुप्ता,अनीश भाई, निर्भय सिंह, संतोष सिंह,राकेष दिक्षित, उदयभान सिंह डोगर शर्मा, शीतल, प्रफुल्ल भाई , रवीन्द्र सकसैना, दिनेश सिकरवार, दीपक अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

चंबल की समाधि स्थल पर 28 राज्यों के युवाओ ने किए डॉ. एस एन सुब्बाराव को श्रद्धा सुमन अर्पित

प्राईम छत्तीसगढ़ • चंबल (जौरा)

प्रमुख गाँधी वादी डॉ एस एन सुब्बा राव जिसको प्यार से भाई जी कहते है उनके समाधि स्थल पर आज उनके जन्मदिन के अवसर पर भाई जी दिवस के रूप मे मनाते हुऐ 28 राज्यों से आए हुऐ। युवा भाई बहनो ने श्रद्धा सुमन पुष्प अर्पित किए चम्बल घाटी के जौरा स्थित महात्मा गाँधी सेवा आश्रम मे इस अवसर पर तीन दिवसीय भाई जी स्मृति समारोह का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय युवा योजना के छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिलाध्यक्ष चुड़ामणी यादव ने जानकारी देते हुऐ बताया है कि 06से 08 फरवरी 2022 को देश भर के 28 राज्यों मे आंध्र प्रदेश, आसाम, अंडमान निकोबार, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरयाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखण्ड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, ओड़िशा, पंजाब, पुडुचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, जम्मु कश्मीर आदि से 300 कार्यकर्त्ता उपस्थित हुऐ। मुख्य रूप से एकता परिषद के पी वी राज गोपाल राजा जी एन वाय पी के सचिव डॉ रणसिंग परमार ट्रस्टी केरायल सुकुमारन, मधुसूदन, के साथ साथ छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रभारी विनय गुप्ता, महाराष्ट्र से नरेंद्र वाडेगांवकर धर्मेंद्र, प्रचंड जायसवाल छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिलाध्यक्ष चुड़ामणी यादव उपाध्यक्ष भूपेंद्र महंत बिहार से मुकेश झा दिल्ली से विकास त्रिपुरा से देवाशीष अंडमान से सनमुगा आदि उपस्थित हुऐ। काश्मीर से कन्या कुमारी तक के युवा साथियो ने अपने अपने राज्यों से लाए मिट्टी को भाई जी के समाधि स्थल पर अर्पित कर अपना श्रद्धांजलि दिए एवं देश भर से लाए हुऐ पौधे को भी आश्रम मे रोपा गया। कार्यक्रम के अध्यक्षता सर्व सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गाँधी वादी चन्दन पाल ने की इस दौरान स्कूली बच्चों ने भाई जी के स्लोगन एवं गीतों को गाते हुऐ रैली भी निकाली।

सद्भाव किस तरह अपनाया और जीवन में आत्मसात होता है ये भाईजी ने सिखाया : राजगोपालन

जौरा (नईदुनिया न्यूज)। आज चारों ओर अशांति दिखाई देती है। लोग अहिंसात्मक और शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन व विरोध करने की बात तो करते हैं, लेकिन ऐसा दिखती नहीं देती है। शांति ऊपर दिमाग में भी होना चाहिए और नीचे दिल में भी। एकता, शांति और सद्भाव किस तरह अपनाया और अपने कर्म में लाया जाता है, यह भाईजी ने पूरी दुनिया को दिखाया। उन्होंने गांधीजी की विचारधारा को आत्मसात किया और हजारों-लाखों लोगों को अहिंसा का मार्ग प्रशस्त किया।

यह बातें एकता परिषद के संस्थापक और राष्ट्रीय सर्वसेवा संघ के संयोजक पीवी राजगोपालन ने कहीं। वे रविवार को गांधी सेवा आश्रम में आयोजित स्मृति समारोह में बोल रहे थे।

गांधीवादी स्व. डा. एसएन सुब्बाराव 'भाईजी' की जयंती 7 फरवरी को है। जौरा के गांधी सेवा आश्रम में भाईजी की जयंती तीन दिनी स्मृति समारोह के तौर पर मनाई जा रही है। रविवार को स्मृति समारोह की शुरुआत एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रनसिंह परमार ने भाईजी के पसंदीदा गीत जय जगत, जय जगत पुकारे जा... के साथ किया।

इस दौरान पीवी राजगोपालन ने कहा कि राष्ट्रीय युवा योजना, एकता परिषद, सर्वसेवा संघ और सर्वोदय जैसी सभी सामाजिक संस्थाओं को मिलकर भाईजी की विचारधारा व उनके कामों को आगे बढ़ाना है। इस दौरान सर्वसेवा संघ के अध्यक्ष चंदनपाल ने भाईजी की स्मृतियों को याद करते हुए कहा कि गोड़से ने तो गांधी जी को एक ही गोली मारी थी, लेकिन कुछ लोग अभी भी गोली मारकर गांधीजी के विचारों की हत्या कर रहे हैं। धर्म के नाम पर, दबाव बनाकर और अभिव्यक्ति को दबाकर, लेकिन हमें डरना नहीं है, जिस तरह गांधी जी के विचारों को लेकर भाई जी आगे बढ़े थे उसी प्रकार हम सब को मिलकर बढ़ना है। इस दौरान विनय भाई, नरेन्द्र भाई, अब्दुल भाई, एकता परिषद के रविंद्र सक्सेना, गांधी सेवा आश्रम जौरा के प्रफुल्ल श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

भाईजी स्मृति समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीवी राजगोपालन। ● नईदुनिया

जयंती कार्यक्रम

- स्व. एसएन सुब्बाराव की जयंती पर तीन दिनी स्मृति समारोह शुरू
- 28 राज्यों से भागीदारी करने आए युवा, आज मनेगी 94वीं जयंती

28 राज्यों से आए युवा, बताएं अपने-अपने संस्मरण: तीन दिन तक चलने वाले भाईजी स्मृति समारोह में मंगलवार को डा सुब्बाराव की जयंती मनाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस आयोजन में देशभर के 28 राज्यों से दर्जनों युवा शामिल हुए हैं। पंजाब से आए कंवलजीत सिंह ने बताया, कि यह पहला मौका है जब बिना भाईजी के उनका जन्मदिन मनाया जा रहा है। उनके द्वारा भारत जोड़ो का जो संदेश दिया है, वह हमारे दिलों में बसता है। छत्तीसगढ़ से आए विनय कुमार ने कहा, कि चंबल की माटी और जौरा का गांधी सेवा आश्रम गांधीवादी विचारधारा के लोगों के लिए एक तीर्थ है। इसी धरती पर भाईजी ने 654 डकैतों का आत्मसर्पण कराकर दुनिया को एकता, अहिंसा और भारत जोड़ो का संदेश दिया था।

श्रद्धांजलि **जौरा के गांधी आश्रम में स्व. डा. सुब्बाराव की 94वीं जयंती मनाई गई, 28 राज्यों से आकर जुटे लोग**

भाईजी की समाधि पर लोग लेकर आए कश्मीर से कन्याकुमारी तक की माटी

जौरा-मुरैना (नईदुनिया न्यूज)। प्रख्यात गांधीवादी स्व. डा. एसएन सुब्बाराव भाईजी की 94वीं जयंती जौरा के गांधी सेवा आश्रम में मनाई जा रही है। तीन दिनी इस आयोजन के दूसरे दिन सोमसार भाईजी की जयंती पर उन्हें यादकर अनुयायियों की आंखें नम हो गईं। इस आयोजन में देशभर के 28 राज्यों से लोग जुटे हैं, जो भाईजी को श्रद्धांजलि देने के लिए अपने-अपने क्षेत्र की माटी लेकर आए। गांधी सेवा आश्रम में बनी भाईजी की समाधि पर युवाओं ने कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक की मिट्टी चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

गौरतलब है, कि डॉ. सुब्बाराव का जन्म 7 फरवरी 1929 को बेंगलौर में हुआ था और 21 अक्टूबर 2021 को जयपुर में इलाज के दौरान निधन हो गया। स्व. सुब्बाराव की कर्मस्थली जौरा रहा है, उन्होंने ही गांधी सेवा आश्रम की नींव रखी, जिसमें उनका समाधि स्थल बनाया गया है। बिना भाईजी के पहली बार उनका जन्मदिन मना और श्रद्धांजलि देने के लिए देशभर के युवा जुटे। इस दौरान एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व महात्मा गांधी सेवा आश्रम के सचिव डॉ. रनसिंह परमार ने देशभर से जुटे लोगों से कहा कि, भाईजी की कर्मस्थली से अपने साथ भाईजी के आदर्शों और उनके विचारों को आत्मसात करके जाएं और उन्हें पूरे देशभर में फैलाएं। उन्होंने कहा, कि भाईजी का व्यक्तित्व बहुआयामी रहा, पूरा जीवन लोगों के बीच में ही जीया, उन्होंने अपने लिए कोई घर नहीं बनवाया, दो थैले ही लेकर हमेशा चलते रहे। किसी के भी घर पर रुक जाते थे, यही कारण था कि समाज का हर व्यक्ति उन्हें अपने नजदीक मानता रहा है। महात्मा गांधी सेवा आश्रम में मन रहे भाईजी स्मृति समारोह में देशभर के युवाओं के द्वारा अपने अपने जगह से लाई हुई मिट्टी को समाधि स्थल पर समर्पित किया। इसके बाद देशभर से लाए हुए पौधों को भी आश्रम में रोपा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्वसेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गांधीवादी चंदनपाल ने की। इस दौरान राष्ट्रीय युवा योजना के न्यासी के सुकुमारन, मधुसूदन, महेन्द्र नागर, सर्वसेवा संघ के अशोक शरण, प्रभारी विनय गुप्ता, रविन्द्र सक्सेना आदि मौजूद थे। इस दौरान स्कूली बच्चों ने भाईजी के गीतों को गाते हुए रैली भी निकाली।

भाईजी की समाधि स्थल पर देशभर से आए लोग अपने-अपने राज्यों के नाम की तख्तियां लेकर। ● नईदुनिया

समारोह में मनेगी बागी आत्मसर्पण की 50वीं वर्षगांठ :राजगोपालन

इसी अवसर पर पर गांधीवादी पीवी राजगोपालन ने कहा कि भाईजी के प्रयासों के दुनिया का सबसे बड़ा दस्यु आत्मसर्पण जौरा की धरती पर हुआ, इसके बाद गांधी आश्रम से दो संगठन राष्ट्रीय युवा योजना और एकता परिषद का उदय हुआ। पीवी राजगोपालन ने बताया, कि बागी समर्पण की 50वीं वर्षगांठ 14 से 16 अप्रैल तक सर्वोदयी समागम के तहत महात्मा गांधी सेवा आश्रम में होगा। उन्होंने कहा, कि इस तीन दिवसीय आयोजन के तहत हिंसा से अहिंसा का संदेश देने के लिए जौरा, उप्र के बटेश्वर और राजस्थान से तालाबाशाही के बागी समर्पण स्थलों से शांति व अहिंसा का संदेश देने के लिए तीन यात्राएं निकाली जाएंगी। उन्होंने कहा कि आज देश के लोगों को प्रेरणा देने के लिए पीस टूरिज्म की तैयारी करना जरुरी है। तीसरा अभियान गांधी और गरीब अंतिम व्यक्ति को संशक्त बनाने के लिए चलाया जाएगा।

♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦

प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी एवं 2 मिनट का मौन धारण

भाई जी समाधि स्थल पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक की मिट्टी समाहित

28 राज्य के युवा ताकत जौरा में मनाया भाई जी दिवस

जौरा, मुरैना

विख्यात गांधीवादी स्व. डा. एस एन सुब्बराव जिनको प्यार से भाई जी कहते हैं, उनकी समाधि स्थल पर आज उनके जन्म दिवस के अवसर पर भाई जी दिवस के रूप में मनाते हुए 28 राज्यों से आए हुए युवा भाई बहनों ने श्रद्धा सुमन पुष्प अर्पित किया, चंबल घाटी के जौरा स्थित महात्मा गांधी सेवा आश्रम में इस अवसर पर भाई जी स्मृति समारोह का आयोजन किया गया, देशभर के युवाओं के द्वारा अपने अपने जगह से लाए हुए मिट्टी को समाधि स्थल पर समर्पित किया गया, इसके पश्चात देश भर से लाए हुए पौधों का भी वृक्षारोपण किया गया। तत्पश्चात भाई जी समृति समारोह में 7 फरवरी जन्म दिवस के अवसर पर समारोह आयोजित हुवा जिसमें आज का दिन भाई जी दिवस के रुप में याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्वसेवा संघ के राश्ट्रीय अध्यक्ष गांधीवादी श्री चंदनपाल जी ने की इस अवसर पर महातमा गांधी सेवा आश्रम के अध्यक्ष एवं सर्व समाज के संयोजक श्री राजगोंपाल पी. व्ही., राश्ट्रीय युवा योजना के न्यासी के. सुकुमारन जी, मधुसूदन जी, महेन्द्र नागर जी सर्व सेवा संघ के अषोकसरण जी, प्रभारी विनय गुप्ताजी, प्यारी बहिन, इति बहिन आदि उपस्थित थे। महात्मा गांधी सेवा आश्रम के सचिव डा. रनसिंह परमार जी ने भाई जी को नमन करते हुये देष भर से जो लोग भाई जी के दिवस पर गांधी आश्रम जौरा में पधारें हैं उनको भी नमन है। उन्होने सभी से अनुरोध किया कि जो लोग यहां आये हैं वह आज यहां से भाई जी के आदर्षों और उनके विचारों को देष भर में लेकर जायेगें और कार्य करेंगें। भाई जी का व्यक्तित्व बहुआयामी रहा, भाई जी ने अपना जीवन लोगों के बीच में ही जिया, उन्होने अपने लिये कोई घर नही बनवाया, दो थैले ही लेकर हमेषा चलते रहे,किसी के भी घर पर रुक जाते थे, यही कारण था कि समाज का हर व्यक्ति उन्हे अपने नजदीक मानता रहा है। इसी अवसर पर सर गांधीवादी पी.व्ही. राजगोपाल जी ने अपने संदेष में कहा कि आज हमस ब भाई जी के षांति और सेवा कार्यों से प्रेरणा लेकर समाज में दूरियों को पाटने का काम कर सकते हैं। हमें विष्वास हे कि सभी अच्छे लोग हैं, निष्चित ही दूरियों को खत्म कर देष में षांति, सदभाव और भाईचारे का महोल निर्मित करते रहेगें ताकि भाई जी के सपनों को साकार कर सके। उन्होने कहा कि भाई जी के विषेश षांति प्रयासों के फलस्वरुप बागियों के आत्म सर्मपण के बाद गांधी आश्रम से दो संघठनों का उदय हुआ। राश्ट्रीय युवा योजना और एकता परिशद। इन दोनो का काम षांति और राश्ट्र निर्माण के लिये हुआ है। उन्होने कहा कि आगामी अप्रेल माह में बागी समर्पण की 50 वी वर्शगांठ पर 14 से 16 अप्रेल तक 3 दिवसीय सर्वोदई समागम का आयोजन महात्मा गांधी सेवा आश्रम में होगा। हिंसा से अहिंसा का संदेष देने के लिये जौरा म.प्र., बटेष्वर उत्तर प्रदेष और तालाबषाही राजस्थान बागी समर्पण स्थलों से 3 यात्रायें षांति और अहिंसा का संदेष देने के लिये चलाई जायेगी। उन्होने कहा कि आज देष के लोंगो को प्रेरणा देने के लिये पीस टूरिज्म की तैयारी करना जरुरी है। और तीसरा अभियान गांधी और गरीब, अंतिम व्यक्ति को संषक्त बनाने के लिये चलाया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री चंदनपाल जी ने भाई जी के प्रेरणास्पद कार्यों और भाई जी के व्यकित्व पर सभी कार्यर्ताओं को संकल्प लेकर कार्य करने को कहा और जय जगत के विचार को देषभर में ले जाने का आव्हान किया। इसके अलावा मंचासीन अतिथियों ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया । भाई जी दिवस पर एच.एल. हाई स्कूल जौरा एवं मॉं षारदा स्कूल जौरा के बच्चों ने रैली कर भाई जी को श्रदांजली देते हुये स्मरण किया। दूसरे सत्र का अध्यक्षता गांधी भवन भोपाल के सचिव श्री दयाराम नामदेव जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन विनय भाई ने किया 6 से 8 फरवरी 2022 देशभर के 28 राज्यों में आंध्र प्रदेश, आसाम, अंडमान निकोबार, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, उड़ीसा, पंजाब, पुडुचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल आदि के 500 से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित हुए। कार्यक्रम में एकता परिशद के राश्ट्रीय महासचिव रमेष षर्मा जी, अनीष भाई, निर्भय सिंह, संतोष सिंह,राकेष दिक्षित, उदयभान सिंह डोंगर षर्मा, षीतल, प्रफुल्ल भाई , रवीन्द्र सकसैना, दिनेष सिकरवार, दीपक अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

भाई जी के समाधि स्थल को प्रेरणा स्थल के रूप में करेंगे विकसित : राजू भाई

» देशभर से आये गांधीवादियों ने महात्मा गांधी सेवा आश्रम में लिया संकल्प

एक्सल समाचार

जौरा (एड दिनेश सिंह सिकरवार) । महात्मा गांधी के आदर्षों के सहचर डा.एस.एन.सुब्बाराव का समूचा जीवन चंबल अंचल के लिये समर्पित रहा। भाई जी का समूचा जीवन देष और दुनियां में गांधी जी के विचारों को दुनियां में प्रसारित करने के लिये समर्पित रहा। उपरोक्त उद्गार एकता परिशद के संरक्षक एवं भाई जी के अनुयायी पी.व्ही.राजगोपाल ने व्यक्त किये। वे महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा में गांधीवादी संत विचारक स्व.डा.एस.एन.सुब्बाराव का 94 वां जन्मदिवस मनाने 28 प्रान्तों से आये भाई जी के अनुयायियों को संबोधित कर रहे थे। तीन दिन तक अनवरत चलने बाले विभिन्न कार्यक्रमों में भाई जी के निधन के बाद उनके अधूरे कामों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के समापन के अबसर पर राश्ट्रीय युवा योजना.,एकता परिशद एवं गांधीवादी कार्यकर्ताओं ने भाई जी के समाधि स्थल को प्रेरणा स्थल के रूप में विकसित किये जाने का संकल्प लिया। सर्व सेवा संघ के अध्यक्ष चंदनपाल जी,षेख हुसैन भाई सर्व सेवा संघ,अब्दुल भाई के सानिध्य में आयोजित कार्यकम में राजगोपाल

पी.व्ही.ने अपने संबोधन में कहा कि हमें षांति एवं अहिंसा पर आधारित समाज की रचना करने के लिये आगे आना होगा। यह जिम्मेवारी देष के युवाओं को निबाहनी होगी। इसके लिये हम सभी को मिल जुलकर प्रयास करना होगें। इसके लिये हमें समाज में नेतृत्व क्षमता का विकास की कार्य योजना बनाकर काम करने होगा। ताकि आम आदमी का संघर्श कम हो सके। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें नये भारत के निर्माण का संकल्प पूरा करने के लिये भाई जी एवं महात्मा गांधी के आदर्षों का अनुषरण करना होगा। आगामी 14 अप्रेल से 16 अप्रेल तक बागी समर्पण की स्वर्ण जयंती बर्श के अबसर पर महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा में आयोजित सर्वोदय सम्मेलन के आयोजन के संबंध में विचार विमर्श कर अंतिम रूप् दिया गया। इस दौरान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये अपील की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एकता परिशद के राश्टीय अध्यक्ष डा.रनसिंह परमार ने उपस्थित प्रतिनिधियों को संकल्प दिलाया कि हम राष्ट्रीय युवा योजना परिवार के सभी लोग एकजुटता से सदभावना पूर्वक काम करेंगे। भाई जी व्दारा बताए गए सत्यए सेवाए श्रम सदभावना भाई चाराए स्वानुशासन सामूहिकता पारदर्शिता के आधार पर जातिए धर्म क्षेत्रवादए भाषा तथा किसी भी प्रकार के भेदभाव से मुक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए काम करेंगे। अहिंसा और शांति के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। भाई जी के निम्न 5 कार्यक्रमों को देश भर में विस्तार करने के लिए युवाओं को जोड़ने का काम करेंगे श्रम संस्कार,बौद्धिक कार्यक्रम, सर्वधर्म प्रार्थना, भारत की संतान सांस्कृतिक कार्यक्रम,ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान आदरणीय भाई जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें आदरांजलि दी गई।

भाई जी स्मृति समारोह में 28 राज्यों के युवाओं ने राष्ट्रीय एकजुटता का संकल्प लिया

भाई जी स्मृति समारोह एवं बागी समर्पण के 100 वर्ष पूर्ण स्वर्ण ज्यंती के अवसर पर महात्मां गांधी सेवा आश्रम में 28 राज्यों से आये हुये अतिथिगण एवं प्रतिभागीयों ने भाई जी के द्वारा बताये हुये मार्ग एवं सिद्धांतों पर चलकर उनके कार्य को आगे बड़ाने का संकल्प एवं शपथ ली! भाई जी के काम को आगे बड़ाने के लिये कार्यक्रम में पधारे हुये अतिथियों ने अपने अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किये!

भोपाल बुधवार 9 फरवरी 2022

दैनिक अरविन्दो एक्सप्रेस

भाई जी के समाधि स्थल को प्रेरणा स्थल के रूप में करेंगे विकसित : राजू भाई

देशभर से आये गांधीवादियों ने महात्मा गांधी सेवा आश्रम में लिया संकल्प जौरा- महात्मा गांधी के आदर्शों के सहचर

जौरा अरविन्दो एक्सप्रेस

डा.एस.एन.सुब्बाराव का समूचा जीवन चंबल अंचल के लिये समर्पित रहा। भाई जी का समूचा जीवन देष और दुनियां में गांधी जी के विचारों को दुनियां में प्रसारित करने के लिये समर्पित रहा। उपरोक्त उद्गार एकता परिशद के संरक्षक एवं भाई जी के अनुयायी पी.व्ही.राजगोपाल ने व्यक्त किये। वे महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा में गांधीवादी संत विचारक स्व.डा.एस.एन.सुब्बाराव का 94 वां जन्मदिवस मनाने 28 प्रान्तों से आये भाई जी के अनुयायियों को संबोधित कर रहे थे। तीन दिन तक अनवरत चलने बाले विभिन्न कार्यक्रमों में भाई जी के निधन के बाद उनके अधूरे कामों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के समापन के अबसर पर राश्ट्रीय युवा योजना.,एकता परिशद एवं गांधीवादी कार्यकर्ताओं ने भाई जी के समाधि स्थल को प्रेरणा स्थल के रूप में विकसित किये जाने का संकल्प लिया। सर्व सेवा संघ के अध्यक्ष चंदनपाल जी,षेख हुसैन भाई सर्व सेवा संघ,अब्दुल भाई के सानिध्य में आयोजित कार्यकम में राजगोपाल पी.व्ही.ने अपने संबोधन में कहा कि हमें षांति एवं अहिंसा पर आधारित समाज की रचना करने के लिये आगे आना होगा। यह जिम्मेवारी देष

के युवाओं को निबाहनी होगी। इसके लिये हम सभी को मिल जुलकर प्रयास करना होगें। इसके लिये हमें समाज में नेतृत्व क्षमता का विकास की कार्य योजना बनाकर काम करने होगा। ताकि आम आदमी का संघर्श कम हो सके। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें नये भारत के निर्माण का संकल्प पूरा करने के लिये भाई जी एवं महात्मा गांधी के आदर्षों का अनुषरण करना होगा। आगामी 14 अप्रेल से 16 अप्रेल तक बागी समर्पण की स्वर्ण जयंती बर्श के अबसर पर महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा में आयोजित सर्वोदय सम्मेलन के आयोजन के संबंध में विचार विमर्श कर अंतिम रूप् दिया गया। इस दौरान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये अपील की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एकता परिशद के राश्टीय अध्यक्ष डा.रनसिंह परमार ने उपस्थित प्रतिनिधियों को संकल्प दिलाया कि हम राष्ट्रीय युवा योजना परिवार के सभी लोग एकजुटता से सदभावना पूर्वक काम करेंगे। भाई जी व्दारा बताए गए सत्यए सेवाएश्रमएसदभावनाए भाई चाराए स्वानुशासनए सामूहिकताए पारदर्शिता के आधार पर जातिए धर्म क्षेत्रवादए भाषा तथा किसी भी प्रकार के भेदभाव से मुक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए काम करेंगे। अहिंसा और शांति के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। भाई जी के निम्न 5 कार्यक्रमों को देश भर में विस्तार करने के लिए युवाओं को जोड़ने का काम करेंगे

श्रम संस्कार,बौद्धिक कार्यक्रम,सर्वधर्म प्रार्थना,भारत की संतान सांस्कृतिक कार्यक्रम,ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान आदरणीय भाई जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें आदरांजलि दी गई। कार्यक्रम को दिल्ली से आये संजय सिंह,हरदीप सिंह पंजाब ,के यादव राजू तिलंगाना,चुन्नीलाल झारखण्ड,सम्मुख नाथन अण्डमान निकोबार सहित अन्य राज्यों के प्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जबलपुर से आई कस्तूरी बहन ने अन्य साथियों के साथ गीत सत्य अहिंसा की जोत जलत रही रे,जल जंगल हबा और अंबर हक हों सब के बराबर गीत गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भाई जी की स्मृति में पुरूश्कार घोषित

कार्यक्रम के दौरान भाई जी की स्मृति में महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा की ओर से भारत की संतान पुरूश्कार दिये जाने की घोषणा भी की गई। आश्रम परिशर में समाधि स्थल एवं भाई जी की प्रतिमा स्थापना एवं संग्रहालय को विकसित किये जाने की योजना पर भी सहमति बनीं।

समाधि स्थल पर हुए कार्यक्रम

गांधीवादी सुब्बाराव की जयंती पर तीन दिवसीय स्मृति समारोह

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कार्यक्रम में शामिल लोग

जयनगर. गांधीवादी डॉ. एसएन सुब्बाराव के समाधि स्थल पर सोमवार को उनके जन्म दिवस को भाई जी दिवस के रूप में मनाया गया। 25 राज्यों से आए हुए युवा भाई.बहनों ने श्रद्धा सुमन पुष्प अर्पित किया। चंबल घाटी के जौरा स्थित महात्मा गांधी सेवा आश्रम में इस अवसर पर तीन दिवसीय भाई जी स्मृति समारोह का आयोजन किया गया। नेशनल यूथ प्रोजेक्ट के विनय गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 6 से 8 फरवरी तक देशभर के 25 राज्यों क्रमशः आंध्र प्रदेश, असम, अंडमान निकोबार, बिहारए छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, ओडिशा, पंजाब, पुडुचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल के 300 कार्यकर्ता उपस्थित हुए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एकता परिषद के पीवी राजगोपालन, एनवाईपी के सचिव डॉ. रन सिंह परमार, ट्रस्टी करायल सुकुमारन, मधुसूदन के साथ ही छत्तीसगढ़ प्रभारी विनय गुप्ता, नरेंद्र वडगांवकर, धर्मेंद्र, प्रचंड जायसवाल, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, कमलजीत सिंह, मुकेश झा और छत्तीसगढ़ के चूड़ामणि यादव और भूपेंद्र उपस्थित हुए। देशभर के युवाओं द्वारा अपने-अपने जगह से लाई हुई मिट्टी को समाधि स्थल पर समर्पित किया गया। इसके पश्चात देशभर से लाए हुए पौधों का भी पौधरोपण किया गया।

भाई जी स्मृति समारोह महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा में

मुरेना। जौरा, स्व. डा. एस.एन.सुब्बाराव भाई जी के महाप्रयाण के उपरांत महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा में 94 वाँ जन्म दिवस समारोह 6 से 8 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है। भाई जी का जन्म दिवस 07 फरवरी को है। इस जन्म दिवस समारोह में देश के लगभग तीस राज्यों से गांधीवादी व राष्ट्रीय युवा योजना के चुनिंदा प्रतिनिधि जौरा आश्रम में पहुँच रहे हैं। अभी तक प्राप्त समाचारों के अनुसार केरल, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब आसाम, मणिपुर, उ. प्र. मध्य प्रदेश, राजस्थान, आदि के अतिरिक्त एक दर्जन से अधिक प्रांतों से प्रतिनिधि जौरा पहुंच गए हैं। भाई जी के महाप्रयाण के उपरांत पहली बार भाई जी का जन्म दिवस समारोह भावुकता पूर्ण माहौल में भाई जी के कृतित्व व व्यक्तित्व तथा भाईचारे व विश्व शान्ति और राष्ट्र निर्माण में उनके द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों पर व्याख्यान चर्चाएं आयोजित किया जा कर उनका पुंण्य स्मरण किया जाएगा। जौरा पहुंच रहे प्रतिनिधि गांधी आश्रम संस्था में भाई जी की समाधि स्थल पर पहुंच कर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भावपूर्वक स्मरण कर रहे हैं। जौरा आश्रम में पहुँच रहे। प्रतिनिधियों तथा भाई जी स्मृति समारोह की व्यापक तैयारियों की देख रेख गांधी आश्रम के सचिव / एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. रन सिंह परमार भाई कार्यकर्ताओं के साथ विशेष रूप से देख रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक सूचना है कि एकता परिषद के संरक्षक राजगोपाल पी. वी. राजू भाई आज रात्रि तक गांधी आश्रम जौरा में पहुँच रहे हैं।

जौरा आश्रम भाई जी की कर्म भूमि के रूप में रहा है। भाई जी के जयपुर राजस्थान में निधन के बाद गांधी आश्रम जौरा में ही उनका अंतिम संस्कार किया गया था उनके देहावसान के बाद निरंतर जौरा में लोग उनका पुंण्य स्मरण करने पहुंच चुके हैं।

एकता परिषद के राष्ट्रीय महासचिव अनीस भाई, प्रदेश संयोजक डोंगर भाई विशिष्ट सेवा कार्यों में कार्यकर्ताओं के साथ जुटे हुए हैं।

स्मृति समारोह के अवसर पर तमाम तरह के विशेष आयोजन किए जा रहे हैं। ताकि भाई जी स्मृति समारोह तथा उनके अप्रतिम शक्ति पुंज समाधि स्थल व उनके विशिष्ट सेवा कार्यों से प्रेरणा लेकर लोग राष्ट्र व समाज को मजबूत बनाने का दायित्व निर्वहन कर शांति के प्रयासों में जुटे रहने सतत रूप से सक्रिय सामाजिक भूमिका निभाने निरंतर का कार्य करते रहेंगे।

आदि हैं।

एनएसस ने भाईजी की यादों का कोलार्ज संग्रहालय के लिए किया भेंट

डॉ. सुब्बाराव जैसी युवा पीढ़ी तैयार करना चाहते थे, उसे वैसा बनाने का संकल्प लिया

भास्कर संवाददाता | गुना

राष्ट्रीय युवा योजना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संस्थापक डॉ. एसएन सुब्बाराव का 94वां जन्मदिन भाईजी दिवस के रूप में उनकी कर्मस्थली जौरा में पहली बार उनकी अनुपस्थिति में मनाया गया। इस अवसर पर भारत के 28 राज्यों के 265 युवा प्रतिनिधि उपस्थित रहे। तीन दिवसीय शिविर में राष्ट्रीय युवा योजना के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर भाईजी के लक्ष्य को प्राप्त करने की कार्य योजना बनाई गई।

विभिन्न सत्रों में भारत के जाने माने समाजसेवी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय युवा योजना इकाई गुना ने यादों का कोलार्ज किया भेंट ।

जन्मदिन के अवसर पर पगड़ी रस्म की गई जिसमें विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों को पगड़ी बांधकर और स्मृति चिह्न देकर भाईजी के सपनों के युवा तैयार करने का संकल्प लिया गया। राष्ट्रीय युवा योजना इकाई गुना के कोडिनेटर जितेंद्र ब्रह्मभट्ट को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय युवा योजना इकाई गुना की ओर से भाईजी की यादों को कोलार्ज के रूप में तैयार करके फोटो की फ्रेम राजू भाई को संग्रहालय के लिए भेंट की गई। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों से लाई गई मिट्टी को एक कलश में एकत्रित कर श्री राव की समाधि पर अर्पित की गई ।

पगड़ी बाँधकर और स्मृति चिह्न देकर भाई जी के सपनों के युवा तैयार करने का लिया संकल्प

चंचल एक्सप्रेस, गुना। राष्ट्रीय युवा योजना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संस्थापक डॉ.एस.एन.सुब्बाराव का 94 वां जन्मदिन भाई जी दिवस के रूप में उनकी कर्मस्थली जौरा में पहली बार उनकी अनुपस्थिति में मनाया गया।इस अवसर पर भारत के 28 राज्यों के 265 युवा प्रतिनिधि उपस्थित रहे।तीन दिवसीय शिविर में राष्ट्रीय युवा योजना के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर भाई जी के लक्ष्य को प्राप्त करने की कार्य योजना बनाई गयी।विभिन्न सत्रों में भारत के जाने माने समाज सेवी उपस्थित रहे।भाई जी के जन्मदिन के अवसर पर पगड़ी रस्मा की गयी जिसमे विभिन्न राज्यों से आये प्रतिनिधियों को पगड़ी बाँधकर और स्मृति चिह्न देकर भाई जी के सपनों के युवा तैयार करने का संकल्प लिया गया। राष्ट्रीय युवा योजना इकाई गुना के कोडिनेटर जितेन्द्र ब्रह्मभट्ट को पगड़ी बाँधकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय युवा योजना इकाई गुना की ओर से भाई जी की यादों को कोलार्ज के रूप में तैयार करके फोटो की फ्रेम राजू भाई को संग्रहालय के लिए भेट की गयी। इस अवसर पर विभिन्न राज्यो से लाई गयी मिट्टी को एक कलश में एकत्रित कर भाई जी की समधी पर अर्पित की गयी एवं विभिन्न राज्यों से लाये पौधौ का रोपण समधी स्थल पर किया गया।इस अवसर पर डॉ. महेन्द्र नागर,रणसिंह परमार स्थाई ट्रस्टी,मधू भाई उडीसा, सुकुमारन केरला, जयसिंह जादौन श्योपुर, राजू भाई तेलंगाना, जगत भाई हिमाचल, रणजीतसिंह हरियाणा, विनय भाई छत्तीसगढ़,करूणाकरण तमिलनाडु, अदमन भाई पुदुचेरी धर्मेन्द्र भाई दिल्ली, नरेन्द्र भाई महाराष्ट्र डॉरेकक्टर भारत की संतान, भारत भाई, राजाराम भाई,नरेन्द्र ठाकुर विदिशा आदि प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सड़क पर फैला और घसीटने से आग जिससे उसकी पहचान नहीं हो सकी।

युवाओं ने जौरा में मनाया भाई जी दिवस, श्रद्धा सुमन किए अर्पित

जौरा। विख्यात गांधीवादी स्व. डॉ एस एन सुब्बराव जिनको प्यार से भाई जी कहते हैं, उनकी समाधि स्थल पर सोमवार को उनके जन्म दिवस के अवसर पर भाई जी दिवस मनाते हुए 28 राज्यों से आए हुए युवा भाई बहनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। चंबल घाटी के जौरा स्थित महात्मा गांधी सेवा आश्रम में इस अवसर पर भाई जी स्मृति समारोह का आयोजन किया गया। देशभर के युवाओं के द्वारा अपने अपने जगह से लाई हुई मिट्टी को समाधि स्थल पर समर्पित किया गया। इसके पश्चात देश भर से लाए हुए पौधों का भी वृक्षारोपण किया गया। तत्पश्चात भाई जी समृति समारोह में 7 फरवरी जन्म दिवस के अवसर पर समारोह आयोजित हुआ, जिसमें आज का दिन भाई जी दिवस के रुप में याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्वसेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गांधीवादी चंदनपाल ने की। इस अवसर पर महात्मा गांधी सेवा आश्रम के अध्यक्ष एवं सर्व समाज के संयोजक राजगोपाल पी. व्ही., राष्ट्रीय युवा योजना के न्यासी के. सुकुमारन, मधुसूदन, महेन्द्र नागर सर्व सेवा संघ के अशोकशरण, प्रभारी विनय गुप्ता, प्यारी बहिन, इति बहिन आदि उपस्थित थे। महात्मा गांधी सेवा आश्रम के सचिव डा. रनसिंह परमार ने भाई जी को नमन करते हुये देश भर से जो लोग भाई जी के दिवस पर गांधी आश्रम जौरा में पधारें हैं, उनको भी नमन किया। उन्होने सभी से अनुरोध किया कि जो लोग यहां आये हैं, वह यहां से भाई जी के आदर्शों और उनके विचारों को देश भर में लेकर जायेगें और कार्य करेगें। इस अवसर पर पर गांधीवादी पी.व्ही. राजगोपाल ने अपने संदेश में कहा कि आज हम सब भाई जी के शांति और सेवा कार्यो से प्रेरणा लेकर समाज में दूरियों को पाटने का काम कर सकते हैं। हमें विश्वास हे कि सभी अच्छे लोग हैं, निश्चित ही दूरियों को खत्म कर देश में शांति, सदभाव और भाईचारे का महोल निर्मित करते रहेगें।

देश और दुनिया के लिये समर्पित एक मुकम्मल इंसान डा.एस.एन.सुब्बराव

जौरा- (जगदीश शुक्ला)

(भाई जी के जन्म दिवस पर विशेष)

भाई जी तीन अक्षरों का यह संयोजन नाम है उस स्पंदन का जो सदैव देश और दुनियां,सदभाव एवं भाईचारे के लिये धड़कता रहा। जिसने सदैव सामाजिक सरोकार और देश के लिये सिद्दत से सोचते हुए देश की नौजवान पीढी को देशप्रेम,सद्भाव नैतिक संस्कारों से दीक्षित कर उसे जिम्मेवार नागरिक बनाया। भाई जी महज एक संबोधन नहीं अपितु उस किरदार का नाम है जिसने जीवन भर गांधीवादी विचारों को आत्मसात ही नहीं किया अपितु महात्मा गांधी के आदर्शों को जीवन में उतार कर दिखाया। यह तीन अक्षर उन भावों को झंकृत करते हैं जिसमें से देशप्रेम, सत्य, अहिंसा, सद्भाव एवं संस्कार के मधुर संगीत की सरसता निसृत होती है। यही तीन अक्षर हैं जो जेहन में आते ही उस अनूठी प्रतिमा को आकार देने लगते हैं, जिसे किसी जाति,धर्म,संप्रदाय से परे वंचित समुदाय के मसीहा की छवि को साकार करते हैं। यही तीन अक्षर हैं जो एक एसे अनूठे रिश्ते का निर्माण करते हैं जिसमें अनंत आत्मीयता,अनंत बिश्वास,गहरी संबेदनायें और असीम प्रेम निहित हैं। बागी समर्पण का इतिहास रचकर चम्बल घाटी में सदियों पुरानी बागी समस्या का समाधान कराकर गांधी के अहिंसा के मंत्र की शक्ति को प्रमाणित करने बाले श्रृद्धेय डा.एस.एन.सुब्बराव भाई जी सचमुच कोई साधारण इंसान नहीं थे। सुदूर दक्षिण से आये उस समय के युवा भाई जी ने चंबल में बागी समर्पण जैसा असाधरण काम करने बाले भाई जी ने चंबल की धरती से जो रिश्ता बनाया उसे अपने जीवन भर निबाहा। चंबल की धरती के लिये यह कम गौरव की बात नहीं कि भाई जी देश और दुनियां में अपना परिचय चंबल के बेटा के रूप में दिया।

आज जब गांधी सेवा आश्रम जौरा में इस रिश्ते को सिद्दत से समझने बाले देशभर से आये हजारों लोग भाई जी का 94 वां जन्म दिवस एकित्रत हुए तब इस बात का अहसास हुआ कि तीन अक्षर का यह आत्मीयता से भरा संबोधन कई जन्मों के उस गहरे रिश्ते का नाम है। जो जन्म जन्मांतर के किसी अटूट बंधन में बंधा है। गांधी सेवा आश्रम जौरा में 7 फरवरी 2022 को भाई जी का एसा पहला जन्मदिवस मनाया गया जब वह खुद उस दुनियां में नहीं थे। भाई जी की ना मौजूदगी की कसक के साथ उनके अधूरे कार्यों को गति देने की फिक्र हर किसी के चेहरे पर साफ देखी जा सकती थी। वहां मौजूद हजारों लोगों को भाई जी के अपने से दूर चले जाने का अहसास तो था,लेकिन यह दूरियां ही भाई जी के साथ उनके आत्मीय रिश्तों का अहसास करा रहीं थीं। कदाचित इन्हीं भावों की बेवसी को बयां करने के लिये ही किसी अनाम शायर को लिखना पड़ा।

कुछ एसा अजब फलसफा है ये जिन्दगी का,
दूरियां करातीं है नजदीकियों का अहसास

चम्बल अंचल से भाई जी का गहरा एवं आत्मीय रिश्ता रहा है। चंबल की धरती पर 60 के दशक में पहली दस्तक के बाद सन 1970 में चम्बल क्षेत्र के केन्द्र जौरा जैसे छोटे स्थान पर स्थाई रूप से रहना एवं महज 2 बर्ष के अथक प्रयासों से बागी समर्पण का इतिहास लिखने के बाद यहीं के होकर रह जाना इस बात का संदेश है कि चम्बल से उनका गहरा एवं अटूट रिश्ता है। अंचल में शांति स्थापना के बाद भाई जी एक इंसान से इतर महामानव,मसीहा एवं संत की श्रेणी में शुमार हो गये। कदाचित यही उनका संतत्व था कि सब कुछ होते हुए भी यायावरी को अपना साध्य एवं कर्म को उन्होंने अपना साधन बनाया।

उनके इस दुनियां से जाने के साथ ही गांधीवाद के एक एसे युग का भी अवसान हो गया जो अपने कथ्य को दूसरों से अमल में लाने के उपदेश देने से पूर्व उसको अपने आचरण में उतारकर मुकम्मल करने में विश्वास करता है। एसे कर्मवीर योद्धा द्वारा चंबल को अपनी कर्मस्थली बनाने से शायद चंबल की धरती भी अपने आपको कृतार्थ मानती है। देश और दुनियां में गांधीवाद का अलख जगाते-जगाते भाई जी खुद चिर निद्रा में सो गये। उन क्षणों में जब देश और दुनियां को उनकी सर्वाधिक जरूरत थी उनका इस दुनियां से रूखसत हो जाना सचमुच गांधी विचारधारा एवं नैतिकता सम्पन्न देश गढ़ने के ख्वाहिशगारों के लिये बहुत बड़ी छति है। देश के युवाओं के चेतना पुंज,चंबल अंचल के एतिहासिक बागी समर्पण के सूत्रधार,अहिंसा के तीर्थ के रूप में देश और दुनियां को शांति,सद्भाव एवं अहिंसा का आलोक बिखेरता महात्मा गांधी सेवा आश्रम के संस्थापक गांधीवादी संत डा.एस.एन.सुब्बाराव के अवसान से देशभर के गांधी वादी आदर्शों के पहरूए आहत हैं वहीं चंबल अंचल का जर्रा-जर्रा व्यथित है। किसी को गुमान भी नहीं था कि मानव एवं राश्ट्र सेवा के लिये समर्पित गांधीवाद का यह अनूठा पथिक यूं अचानक अपना सामान समेट अपनी अनंत यात्रा के लिये रूखसत हो जायेगा।

सदैव जन्मभूमि से बढ़कर मानी कर्मभूमि : एक एसा मुकम्मल इंसान जिसने अपना समूचा जीवन चंबल अंचल की सेवा के लिये समर्पित कर उसे अपनी कर्मस्थली बनाकर उसे अपनी मातृभूमि से अधिक मान और प्रतिष्ठा दी। चंबल की धरती से उन्होंने अपना जो रिश्ता अपनी युवावस्था में बनाया उसे एक सच्चे सपूत की तरह अंतिम समय तक निबाहा। शायद भाई जी का यही महानता थी जिससे एक बार मिल लिये उसे सदैव के लिये अपना बना लिया। किसी से भी कितने ही अंतराल के बाद मुलाकात हो उसे नाम से पुकार कर घर गृहस्थी और आसपास के सभी लोगों की कुशल क्षेम पूछना उनकी स्वाभाविक प्रवृत्ति में शामिल था। भाई जी के यूं अचानक रूखसत होने के साथ ही

गांधीवादी आदर्शों को आत्मसात कर उन्हें अपना जीवन सहचर बनाने बाले एक मुकम्मल इंसान फिर से इस दुनियां में आने के लिये हमें कदाचित अभी लंबा इंतजार करना होगा। बागी समर्पण के सूत्रधार रहे आदरणीय भाई जी को चंबल की धरती का कोटि कोटि प्रणाम एवं आदरांजलि। हमारी इस बेबसी को किसी अनाम शायर ने कुछ इस तरह बयां किया है।

हजारों साल नर्गिस अपनी बे-नूरी पर रोती है
बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदा-वर पैदा

जय जगत जय भारत

जगदीश शुक्ला
पत्रकार एवं स्वतंत्र लेखक जौरा जिला मुरैना

भाई जी के जन्म दिवस पर विशेष

■ जगदीश शुक्ला

देश और दुनिया के लिये समर्पित एक मुकम्मल इंसान डा.एस.एन.सुब्बराव

भाई जी तीन अक्षरों का यह संयोजन नाम है उस स्पंदन का जो सदैव देश और दुनियां,सदभाव एवं भाईचारे के लिये धड़कता रहा। जिसने सदैव सामाजिक सरोकार और देश के लिये शिद्दत से सोचते हुए देश की नौजवान पीढ़ी को देशप्रेम,सद्भाव नैतिक संस्कारों से दीक्षित कर उसे जिम्मेवार नागरिक बनाया। भाई जी महज एक संबोधन नहीं अपितु उस किरदार का नाम है जिसने जीवन भर गाँधीवादी विचारों को आत्मसात ही नहीं किया अपितु महात्मा गाँधी के आदर्शों को जीवन में उतार कर दिखाया। यह तीन अक्षर उन भावों को झंकृत करते हैं जिसमें से देशप्रेम, सत्य, अहिंसा, सद्भाव एवं संस्कार के मधुर संगीत की सरसता निसृत होती है। यही तीन अक्षर हैं जो जेहन में आते ही उस अनूठी प्रतिमा को आकार देने लगते हैं, जिसे किसी जाति,धर्म,सम्प्रदाय से परे वंचित समुदाय के मसीहा की छवि को साकार करते हैं। यही तीन अक्षर हैं जो एक ऐसे अनूठे रिश्ते का निर्माण करते हैं जिसमें अनंत आत्मीयता, अनंत विश्वास, गहरी संवेदनायें और असीम प्रेम निहित हैं। बागी समर्पण का इतिहास रचकर चम्बल घाटी में सदियों पुरानी बागी समस्या का समाधान कराकर गाँधी के अहिंसा के मंत्र की शक्ति को प्रमाणित करने वाले श्रृद्धेय डा.एस.एन.सुब्बराव भाई जी सचमुच कोई साधारण इंसान नहीं थे। सुदूर दक्षिण से आये उस समय के युवा भाई जी ने चम्बल में बागी समर्पण जैसा असाधरण काम करने वाले भाई जी ने चम्बल की धरती से जो रिश्ता बनाया उसे अपने जीवन भर निभाया। चम्बल की धरती के लिये यह कम गौरव की बात नहीं कि भाई जी देश और दुनियां में अपना परिचय चम्बल के बेटा के रूप में दिया। आज जब गाँधी सेवा आश्रम जौरा में इस रिश्ते को शिद्दत से समझने वाले देशभर से आये हजारों लोग भाई जी का 94 वाँ जन्म दिवस एकत्रित हुये, तब इस बात का अहसास हुआ कि तीन अक्षर का यह आत्मीयता से भरा सम्बोधन कई जन्मों के उस गहरे रिश्ते का नाम है। जो जन्म जन्मांतर के किसी अटूट बंधन में बंधा है। गाँधी सेवा आश्रम जौरा में 7 फरवरी 2022 को भाई जी का ऐसा पहला जन्मदिवस मनाया गया जब वह खुद उस दुनियां में नहीं थे। भाई जी की ना मौजूदगी की कसक के साथ उनके अधूरे कार्यों को गति देने की फिक्र हर किसी के चेहरे पर साफ देखी जा सकती थी। वहाँ मौजूद हजारों लोगों को भाई जी के अपने से दूर चले जाने का अहसास तो था, लेकिन यह दूरियाँ ही भाई जी के साथ उनके आत्मीय रिश्तों का अहसास करा रहीं थीं। कदाचित इन्हीं भावों की बेवसी को बयां करने के लिये ही किसी अनाम शायर को लिखना पड़ा।

कुछ एसा अजब फलसफा है ये जिन्दगी का,
दूरियां करातीं है नजदीकियों का अहसास÷

चम्बल अंचल से भाई जी का गहरा एवं आत्मीय रिश्ता रहा है। चंबल की धरती पर 60 के दशक में पहली दस्तक के बाद सन् 1970 में चम्बल क्षेत्र के केन्द्र जौरा जैसे छोटे स्थान पर स्थाई रूप से रहना एवं महज 2 बर्ष के अथक प्रयासों से बागी समर्पण का इतिहास लिखने के बाद यहीं के होकर रह जाना इस बात का संदेश है कि चम्बल से उनका गहरा एवं अटूट रिश्ता है। अंचल में शांति स्थापना के बाद भाई जी एक इंसान से इतर महामानव,मसीहा एवं संत की श्रेणी में शुमार हो गये। कदाचित यही उनका संतत्व था कि सब कुछ होते हुए भी यायावरी को अपना साध्य एवं कर्म को उन्होंने अपना साधन बनाया।

उनके इस दुनियां से जाने के साथ ही गांधीवाद के एक एसे युग का भी अवसान हो गया जो अपने कथ्य को दूसरों से अमल में लाने के उपदेश देने से पूर्व उसको अपने आचरण में उतारकर मुकम्मल करने में विश्वास करता है। एसे कर्मवीर योद्धा द्वारा चंबल को अपनी कर्मस्थली बनाने से शायद चम्बल की धरती भी अपने आपको कृतार्थ मानती है। देश और दुनियां में गाँधीवाद का अलख जगाते-जगाते भाई जी खुद चिर निद्रा में सो गये। उन क्षणों में जब देश और दुनियां को उनकी सर्वाधिक जरूरत थी उनका इस दुनियां से रूखसत हो जाना सचमुच गाँधी विचारधारा एवं नैतिकता सम्पन्न देश गढ़ने के ख्वाहिशगारों के लिये बहुत बड़ी क्षति है। देश के युवाओं के चेतना पुंज,चम्बल अंचल के एतिहासिक बागी समर्पण के सूत्रधार, अहिंसा के तीर्थ के रूप में देश और दुनियां को शांति, सद्भाव एवं अहिंसा का आलोक बिखेरता महात्मा गाँधी सेवा आश्रम के संस्थापक गाँधीवादी संत डा.एस.एन.सुब्बाराव के अवसान से देशभर के गाँधी वादी आदर्शों के पहरूए आहत हैं वहीं चम्बल अंचल का जर्रा-जर्रा व्यथित है। किसी को गुमान भी नहीं था कि मानव एवं राश्ट्र सेवा के लिये समर्पित गाँधीवाद का यह अनूठा पथिक यूं अचानक अपना सामान समेट अपनी अनंत यात्रा के लिये रूखसत हो जायेगा।

सदैव जन्मभूमि से बढ़कर मानी कर्मभूमि एक एसा मुकम्मल इंसान जिसने अपना समूचा जीवन चम्बल अंचल की सेवा के लिये समर्पित कर उसे अपनी कर्मस्थली बनाकर उसे अपनी मातृभूमि से अधिक मान और प्रतिष्ठा दी। चम्बल की धरती से उन्होंने अपना जो रिश्ता अपनी युवावस्था में बनाया उसे एक सच्चे सपूत की तरह अन्तिम समय तक निभाया। शायद भाई जी का यही महानता थी जिससे एक बार मिल लिये उसे सदैव के लिये अपना बना लिया। किसी से भी कितने ही अंतराल के बाद मुलाकात हो उसे नाम से पुकार कर घर गृहस्थी और आसपास के सभी लोगों की कुशल क्षेम पूछना उनकी स्वाभाविक प्रवृत्ति में शामिल था। भाई जी के यूं अचानक रूखसत होने के साथ ही गांधीवादी आदर्शों को आत्मसात कर उन्हें अपना जीवन सहचर बनाने वाले एक मुकम्मल इंसान फिर से इस दुनियां में आने के लिये हमें कदाचित अभी लम्बा इंतजार करना होगा। बागी समर्पण के सूत्रधार रहे आदरणीय भाई जी को चम्बल की धरती का कोटि कोटि प्रणाम एवं आदरांजलि। हमारी इस बेबसी को किसी अनाम शायर ने कुछ इस तरह बयाँ किया है।

हजारों साल नर्गिस अपनी बे-नूरी पर रोती है
बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदा-वर पैदा

जय जगत जय भारत

जगदीश शुक्ला
पत्रकार एवं स्वतंत्र लेखक